



प्रेषक,

जी० बी० ओली,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
अर्थ एवं संख्या निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

नियोजन अनुभाग।

देहरादून, दिनांक: ०६ फरवरी, 2008

विषय: अनुदान संख्या-07 के अधीन लेखा शीर्षक-3454 के अन्तर्गत 02-सर्वेक्षण तथा सांख्यिकीय, 800-अन्य व्यय, 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाओं, 0101-अर्थ एवं संख्या विभाग का पंचम आर्थिक गणना का क्रियान्वयन (अधिष्ठान) (100 प्रतिशत केन्द्रांश) मद में पुनर्विनियोग के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2007-08 के लिये अतिरिक्त धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक 1805/3-ले०(अ० एवं सं०)/2007-08 दिनांक: 10 अक्टूबर, 2007 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय अनुदान संख्या-07 के अधीन लेखा शीर्षक-3454-02-800-01-0101- अर्थ एवं संख्या विभाग का पंचम आर्थिक गणना का क्रियान्वयन (अधिष्ठान) (100 प्रतिशत केन्द्रांश) की विभिन्न मदों पर वार्षिक आवश्यकता के अनुसार व्यय हेतु संलग्न-बी०एम०-15 के अनुसार बचतों को व्यावर्तित करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में कुल ₹ 3,14,000 (रुपये तीन लाख चौदह हजार मात्र) की अतिरिक्त धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखते हुए व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त धनराशि केवल उन्हीं मदों पर व्यय की जायेगी जिनके लिये यह स्वीकृति की जा रही है। चालू योजना पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नई मदों के क्रियान्वयन के लिये नहीं किया जायेगा।
- 2- पूर्व में शासनादेश संख्या-51/XXVI-2/2007 दिनांक 10.4.2007 द्वारा संलग्न बी०एम०-15 के प्रथम व पंचम कालम में इंगित मदों के अन्तर्गत आवंटित की गई धनराशि के सापेक्ष यदि कोई आहरण/व्यय किया गया हो तो उस सीमा तक यह धनावंटन आदेश निष्प्रभावी होगा। यदि कोई आहरण व व्यय न किया गया हो तो नियमानुसार आहरण प्रमाण पत्र सम्बन्धित कोषागारों से प्राप्त कर किया जायेगा और ऐसे आहरण की दशा में पूर्व में उक्त वर्णित धनावंटन सम्बन्धी शासनादेश निरस्त समझा जायेगा।

- 3- स्वीकृत कार्यों पर व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर चर्चेंज रूल्स एवं मितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जाएगा।
- 4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का एकमुश्त आहरण न करके यथा आवश्यकता अनुसार ही व्यय किया जायेगा तथा व्यय की विवरण यथासमय प्रत्येक माह बी०एम०-13 पर शासन को उपलब्ध कराया जाए।
- 5- यह सुनिश्चित किया जाए कि शासन द्वारा उपरोक्त निर्देशों के अतिरिक्त इस संबंध में अब तक जारी शासनादेशों का अनुपालन अधीनस्थ तक भी सुनिश्चित करने का कष्ट करें।
- 6- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक "3454-जनगणना, सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी 800-अन्य व्यय, 01-केंद्रीय आयोजनागत/केंद्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं, 0101-अर्थ एवं संख्या विभाग का पंचम आर्थिक गणना का कियान्वयन (अधिष्ठान) (100 प्रतिशत केन्द्रांश) की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जाएगा।
- 7- यह स्वीकृति वित्त विभाग के अशासकीय सं०-1003/XXVI-5(1)/2008 दिनांक 24 जनवरी, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।


भवदीय,

(जी० बी० ओली)
संयुक्त सचिव।

संख्या: 14 (1)/XXVI-दो (2)/2007 तददिनांक।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- समन्वयक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 5- गार्ड फाइल।


(जी० बी० ओली)
संयुक्त सचिव।

आय-वर्ग प्रपत्र-15

डिटन्चक अर्थफर-रपिअर निवाजन

$$f(D) = \frac{2\pi \sqrt{2\alpha}}{\sqrt{2\alpha + 1}} + \frac{1}{2}$$
[illegible][illegible]

संयुक्त सचिव
(जि०बी० अ०)
१०/११

उत्तराखण्ड शासन

वित्त अनुभाग-5

तारक 1003(11)/मिअजु-05/2007

देखादत दिनांक 24 फरवरी 2007

मुनिपैलिया नदीखुम।

सेवा में नरनाथजान, उत्तराखण्ड, ओमचय भेटल विरिङग, देखादत।

तारक 14(1) /XXVI-2/2007 तददिनांक।

नमिति:- निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु दीया:-

- 1- वरिष्ठ कायमिजारी, देखादत।
- 2- वित्त अनुभाग-05, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- विदेशक, अर्थ एवं वरिष्ठ, उत्तराखण्ड, देखादत।

(सचिव मिड)
उत्तराखण्ड शासन।

आशा में
d.h.m.
(निदेशक अर्थ)
उत्तराखण्ड शासन।